कक्षा–10
(ग्रहविज्ञान)
केवल प्रश्न पत्र
(केवल बालिकाओ के लिए)

(समय 3 घण्टे 15 मिनट) **पूणार्क–70**

निर्देशः प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियो को प्रश्न पत्र पढने के लिए निर्धारित है।
सामान्य निर्देशः (1)सभी प्रश्न अनिवार्य है।
(II)प्रश्न मे बहुविकल्पीय,अतिलघुउत्तरीय ,लघुउत्तरीय और विस्तृत/दीर्घउत्तरीय चार प्रकार के प्रश्न हैं उनके उत्तर हेतु निद्रेश प्रश्न के पहले दिए गए है
निर्देशः प्रश्न संख्या 1 और 2 बहुविकल्पीय है।

निम्नलिखित प्रश्नो मे प्रत्येक के चार चार वैकल्पिक उत्तर दिए गए है उनमे से सही विकल्प चुनकर दन्हे कमवार अपनी उत्तर पुस्तिका मे लिखए।

1.(क) बीमारी और विवाह का व्यय माना जाता है– **(1)**
(I)अनुपयोगी व्यय (II)अनावश्यक व्यय
(III)व्यर्थ व्यय (IV)आकस्मिक व्यय

(ख) सरकारी कर्मचारी को सेवा निवृत्ति के पश्चात प्राप्त होता है– **(1)**
(I)वेतन (II)पेंशन
(III)बोनस (IV)इनमे से कोइ नही

(ग)चार कलमो का मुल्य रू 12 है तो 20 कलमो का मूल्य होगा– **(1)**
(I)48रू (II)60रू
(III)72रू (IV)48रू

(घ)देहरादून मे गन्धक का झरना लाभदायक है– **(1)**
(I)पेट की बीमारियो के लिए (II)चर्म रोग के लिए
(III)क्षय रोग के लिए (IV)इनमे से किसी के लिए नही

2.(क)आसुत जल का प्रयोग होता है– **(1)**
(I)पीने मे (II) खाना बनाने मे
(III)दवाओ मे (IV)सफाई कार्य मे

(ख)लम्बाई मापने की इकाई है– **(1)**
(I)सेमी, मीटर (II)मिली,लीटर
(III)ग्राम,किलोग्राम (IV)इनमे से कोई नही

(ग)मानव शरीर मे कितने जोडी पसलियॉ होती हैं ? **(1)**
(I)5 जोडी (II)10 जोडी
(III)12 जोडी (IV)20 जोडी

(घ) लौह तत्व की कमी से कौन सा रोग होता है? **(1)**
(I)बेरीबेरी (II)एनीमिया (III)मैरस्मस (IV)तपेदिक

निर्देश– प्रश्न संख्या 3 एवं 4 अतिलघुउत्तरीय है। प्रत्येक खण्ड का उत्तर अधिकतम 25 शब्दो के अर्न्तगत लिखिए।

3.(क) बजट मे मितव्ययिता क्या है। **(2)**
(ख) प्रत्यक्ष आय तथा अप्रत्यक्ष आय मे क्या अन्तर है **(2)**
(ग) कूडेदान को ढककर क्यों रखा जाता है **(2)**
(घ) ग्रहसज्जा की प्रमुख शैलियां कौन–कौन सी है **(2)**
(ङ) ब्याज का क्या अर्थ है **(2)**

4.(क) विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है (2)
(ख) निर्जलकरण से क्या तात्पर्य है (2)
(ग) भूनने और सेकने मे क्या अन्तर है (2)
(घ) आपातकालीन स्ट्रेचर कैसे बनाया जाता है (2)
(ङ) गरारा करने से क्या लाभ है (2)

निर्देश प्रश्न स० 5 से 7 तक लघुउत्तरीय है इनके प्रत्येक खण्ड का उत्तर अधिकतम 50 शब्दो के अर्न्तगत लिखिए–

5.(क)वैक्यूम क्लीनर से आप क्या समझती हैं (4)

अथवा

टिप्पणी लिखिए–सुलभ शौचालय

(ख) मृदु जल तथा काठोर जल मे अन्तर स्पष्ट कीजए (4)

अथवा

आदर्श कुऍ से क्या तात्पर्य है

6.(क) रमा 75 रू लेकर बाजार गयी।उसने रू 25 की दवा ,रू 20 की पुस्तकें,रू 11.75 की कलम व स्याही तथा रू 9 का सजावट का सामान खरीदा। उसने कुल कितना व्यय किया तथा शेष क्या बचा ? (4)

अथवा

ग्रह सज्जा मे परदो का क्या महत्व है ?

(ख) रोग–प्रतिरक्षा से आप क्या समझती हैं? (4)

(ख) सही नाप लेने के लाभ बताइये नाप लेते समय किन बातों पर ध्यान देना आवश्यक है (4)

7.(क) पेचिस के रोगी को कैसा भोजन देना चाहिए और क्यो? (4)

(ख) हडडी की टूट एवं मोच मे अन्तर स्पष्ट कीजीए। (4)

निर्देश प्रश्न संख्या 8 से 10 तक दीर्घउत्तरीय है। प्रश्न संख्या 8 तथा 9 मे विकल्प दिए गए है।प्रत्येक प्रश्न के एक ही विकल्प का उत्तर लगभग 100 शब्दो के अन्तर्गत लिखिए–

(8) सन्धि किसे कहते है।सन्धि कितने प्रकार की होती है उदाहरण सहित वर्णन कीजए (3+3=6)

अथवा

प्राकृतिक और कृत्रिम श्वसन मे क्या अन्तर है

(9) घर की सफाई कितने भागो मे बॉटा जा सकता है किसी एक भाग की सफाई का सविस्तार वर्णन कीजिए (3+3=6)

अथवा

पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार लिखिए एवं किसी एक प्रकार के प्रदूषण के कारण एवं निवारण लिखिए

(10) भोजन पकाने की प्रमुख विधियों का वर्णन कीजिए।इसकी कौन सी विधी उत्तम है और क्यो। (3+3=6)

हाईस्कूल
गृह विज्ञान प्रश्न पत्र 2016
हल

(1) **क)** – (iv)आकस्मिक व्यय ख) – (ii) पेंशन ग) – (ii) 60 रू घ) – (ii)चर्म रोग के लिए

(2) **क)** – (iii) दवओं मे ख) – (i)सेमी0,मी0 ग) – (iii)12 जोडी घ) – (ii) एनीमिया

(3) **क)** बजट में किसी भी अनावश्यक व्यय का प्रावधान न रखना ही बजट मे मितव्ययिता है।

ख) प्रत्यक्ष आय नकद रूप में होती है जैसे वेतन। इससे भिन्न अप्रत्यक्ष आय कुछ सुविधाओं के रूप में होती है जैसे

निःशुल्क आवास अथवा चिकित्सा सुविधा।

ग) कूड़ेदान को ढककर रखने से उसमें सग्रहीत गन्दे तत्वों या कूड़े के दुर्गन्ध फैलाने वाले तत्वों तथा रोगाणुओं को

फैलने से रोका जा सकता है।

घ) गृहसज्जा की तीन प्रमुख शैलियाँ है– (1) परम्परागत अथवा देशीशैली (2) विदेशी शैली तथा (3) मिश्रित शैली

ड.) उधार लिए गये मूलधन पर निश्चित अवधि मे देय अतिरिक्त धनराशि ब्याज कहलाती है।

(4) **क)** विश्व जल दिवस प्रतिवर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है।

ख) किसी भी कारण से व्यक्ति के शरीर में जल की आवश्यक मात्रा का घट जाना निर्जलीकरण कहलाता है।

ग) भूनते समय वस्तु आग के प्रत्यक्ष सम्पर्क में नही आती, जबकि सेंकने में उसे सीधे अंगारों अथवा विधुत सलाखों के

ऊपर सेंका जाता है।

घ) आपातकालीन स्ट्रेचर बनाने के लिए दो बांस लेकर उनके बीच में किसी दरी, चादर या टाट को कसकर बाँध

दिया जाता है।

ड.) गरारा करने से गले में दर्द, टॉन्सिल्स व जुकाम में लाभ होता है।

(5) **क)** विधुत चालित उपकरण सफाई में प्रयोग होने वाला, धूल मिट्टी इसमे लगी थैली में इकट्ठा होती है, फर्नीचर,

दरी, कालीन, पर्दे, कपड़ों की सफाई में सहायक।

अथवा

घरेलू मल–मूत्र विसर्जन के लिए केन्द्र सरकार द्वारा एक योजना प्रारम्भ की है जिसे सुलभ शौचालय कहा जाता

है। सैप्टिक टैंक के समान नीचे पक्का नही होता, दुर्गन्ध, गैस, गन्दा पानी नही निकलना, मल–मूत्र विसर्जन की

उत्तम प्रणाली सुलभसंस्था द्वारा बनाने में सहयोग देना नगरों कस्बों एवं मलिन बस्तियों को स्वच्छ बनाना।

ख) मृदुजल – इस जल में साबुन सरलता से झाग देता है, कैल्शियम तथा मैग्नीशियम बाइकार्बोनट्स, सल्फेट्स तथा

क्लोराइड का अभाव, कम साबुन खर्चा होना, बॉयलरों में विभिन्न लवणों की परत नही जमती।

कठोरजल – साबुन सरलता से झाग नही देता अस्थायी कठोर जल में कैल्शियम तथा मैग्नीशियम के

बाइकार्बोनेटस पाए जाते हैं तथा स्थायी कठोर जल में कैल्सियम मैगनीशियम के सल्फेट्स तथा क्लोराइड्स पाए

जाते है। अधिक साबुन खर्च होना, बायॅलर खराब हो जाते है।

अथवा

आदर्श कुंआ – गहरे कुएं को व्यवस्थित ढंग से बनवाना एवं उसका समुचित रखरखाव करना, कुंआ अच्छी भूमि में

खुदवाना, पक्का, आसपास का भाग पक्का हो, छतरीनुमा छत हो, प्रत्येक माह लालदवा डालकर सफाई हो।

(6) **क)** कुल रूपये – रु 75.00

व्यय हुए – रु 25.00 दवा + रु 20.00 पुस्तकें + रु 11.75 कलम व स्थाही + रु 9.00 सजावट का सामान

अतः कुल व्यय – रु 65.75

शेष रुपये – कुल रुपये – व्यय रुपये

– रु 75.00 – रु 65.75

– रु 9.25

अथवा

पर्दे, धूप, धूल, लू, ठण्डी हवा, एवं प्रकाश को नियंत्रित करना, एकान्त प्रदान करना, कमरे की शोभा बढ़ाना।

ख) रोगो से लड़ने की जो क्षमता हमारे शरीर में होती है उसे ही रोग प्रतिरक्षा कहते हैं जो भिन्न–भिन्न व्यक्तियों के

शरीर में भिन्न–भिन्न समय पर भिन्न होती है।

अथवा

सही नाप लेने से वस्त्र सही फिटिंग के बनते हैं, आरामदायक होते हैं। सही नाप लेने की विधियाँ हैं–

1) छाती के नाप के आधार पर अन्य भागों की नाप का अनुमान लगाना,

2) प्रत्येक अंग का अलग से नाप लेना।

(7) **क)** पेचिस के रोगी को दूध–रोटी नही देना, जल की शुद्धता पर ध्यान देना, रोगी का मलमूत्र खुले स्थान पर नही

फेकना चाहिए, दूध के साथ गेंहूं का बना कोई खाद्य पदार्थ वर्जित है। रोगी को ईसबगोल का भूसी देना, मैथी

का दाना, दही इत्यादि देना, उबला पानी ठंडा करके दे, तरल भोज्य पदार्थ देना, एवं चिकित्सक की परामर्शानुसार उपचार करना।

ख) <u>हड्डी की टूट</u> – हड्डियों में होती है, हड्डियों पर अधिक दबाव पड़ने अथवा चोट लगने पर हड्डियाँ टूटती हैं,

हड्डियो में दरार पड़ने पर,, चरमराहट होती है, हड्डी टूट के स्थान का रंग नही बदलता कभी–2 रक्तस्राव होता

है।

<u>मोच</u> – अस्थियों की संधि एवं विशेषकर चल सन्धियों में, माँसपेशियों पर खिचाव पड़ने पर, मोच सन्धि को

बांधे रखने वाले बन्धन सूत्रों में खिचाव अथवा टूट जाना, हड्डियों में चरमराहट, अंग का रंग नीला या काला पड़

जाना, रूधिर बाहर नही निकलता।

(8) सन्धि – दो या दो से अधिक अस्थियाँ जहाँ जुड़ी रहती हैं उन स्थानों को सन्धि या जाड़ कहते हैं।
प्रकार – अचलसन्धि (कपाल की अस्थि, त्रिकास्थि), चलसन्धि (अपूर्ण सन्धि–कूल्हे की व्यूबिस सन्धि, पूर्ण सन्धि–कन्दुक खल्लिका या गेंद प्यालेनुमा सन्धि, कब्जेदार या चूलदार सन्धि, कीलक या खूंटीदार सन्धि, प्रसर सन्धि, रूढिया पर्याण सन्धि)।

अथवा

प्राकृतिक श्वसन – अनैच्छिक, स्वतः, एक ही विधि, सदैव तथा प्रतिक्षण, पसलियों तथा तन्तुपट की क्रिया पर निर्भर, स्वयं की मांसपेशियों द्वारा सम्पादित।
कृत्रिम श्वसन – आवश्यकता पड़ने पर, दुसरे व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर, स्थिति तथा रोगी की स्थिति अनुसार प्राकृतिक श्वसन के बाधित होने पर, अन्यव्यक्ति या उपकरण से करायी जाने वाली, अन्य व्यक्ति के श्रम द्वारा सम्पादित होती है।

(9) घर की सफाई के प्रकार – दैनिक सफाई, साप्ताहिक सफाई, मासिक सफाई, वार्षिक सफाई, आकस्मिक सफाई।
साप्ताहिक सफाई – जो भाग एवं घर की वस्तुएं प्रतिदिन साफ नही होती उन्हें साफ करना जैसे – दरवाजे, खिड़कियाँ, दरीकालीन, शीशे, फर्नीचर, फर्श का धोना तथा दीवारो व छत को साफ करना।
पर्यावरण प्रदूषण प्रकार – वायुप्रदूषण, जलप्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदीयप्रदूषण, रेडियो धर्मी प्रदूषण
वायु प्रदूषण के कारण – दहन, औधोगिक अपशिष्ट, धातुकर्मी प्रकम, कृषि रसायन, रेडियोधर्मी पदार्थ, वनो एवं वृक्षों की कटाई।

(10) भोजन पकाने की प्रमुख विधियाँ – जल के माध्यम से पकाना , चिकनाई के माध्यम से पकाना, भाप के माध्यम से पकाना, तथा वायु के माध्यम से पकाना।
सर्वोत्तम विधि – वाष्प द्वारा पकाना क्योकि इस विधि द्वारा पकाया गया भोजन सुपाच्य होता है तथा इसके पोषक तत्व भी नष्ट नही होते हैं।